न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश–द्वितीय–सह विशेष न्यायाधीश(उत्पाद), समस्तीपुर।

कल्याणपुर थाना काण्ड सं0 260/20,कम्पयूटर निबंधन सं0 1106/20

उपस्थितः आवेदक की ओर से विद्वान अधिवक्ता–श्री रजनी रंजन

अभियोजन की ओर से विद्वान विशेष लोक अभियोजक–श्री रामलखन राय

22.12.21 आवेदक **1.रौशन कुमार, पिता–रामचन्द्र राय, ग्राम–मुक्तापुर, थाना–कल्याणपुर, जिला–समस्तीपुर,** जो कल्याणपुर थाना काण्ड सं0 260/20 के अन्तर्गत अभियुक्त है, की ओर से ऑनलाईन आत्मसमर्पण सह जमानत आवेदन दाखिल किया गया। पुकार पर अभियुक्त न्यायालय में उपस्थित हुआ। जमानत आवेदन पर उभय पक्ष के विद्वान अधिवक्ता को सुना।

आवेदक अभियुक्त के विद्वान अधिवक्ता के द्वारा जमानत आवेदन प्रचालित करते हुए निवेदन किया गया, कि आवेदक निर्दोष है, उसने कोई अपराध कारित नही किया है। उनके विरूद्व लगाया गया आरोप मनगढ़त, असत्य एवं निराधार है। वह पूर्व से जमानत पर था। उसने जमानत की सुविधा कोई दुरूपयोग नही किया है। भूलवश वह दि0 13.12.21 को न्यायालय नही आ सका, परिणामस्वरूप उसका बंद्य–पत्र खण्डित हो गया है। उसने जान बुझ कर गलती नही किया है। वह वचन देता है, कि भविष्य में इस तरह का गलती नही करेगा। अतः उसे जमानत पर मुक्त करने का आदेश देने की कृपा की जाए।

विद्वान वि0 लोक अभियोजक के द्वारा जमानत का विरोध किया गया।

उभय पक्ष के विद्वान अधिवक्ता को सुना एवं अभिलेख का अवलोकन किया। अभिलेख के अवलोकन से स्पष्ट है, कि आवेदक पूर्व से जमानत पर था। दिनांक 13.12.21 को उसकी अनुपस्थिति के कारण उसका बंद्य–पत्र खण्डित किया गया है। चूँकि आवेदक स्वयं उपस्थित हुआ है। अतः उसे मो0 1000/–रू0 परिव्यय शुल्क पर, मो0 दस हजार रू0 के बंद्य–पत्र एवं समान राशि के दो प्रतिभूति दाखिल करने पर जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया जाता है। साथ ही यह भी आदेश दिया जाता है, कि आवेदक इस आशय का वचन पत्र दाखिल करेगा, कि वह वाद के निस्तारण तक प्रत्येक निश्चित तिथि को न्यायालय में उपस्थित रहेगा।

(लेखापित)

अपर सत्र न्या02

सह वि0 न्या0उत्पाद

पश्चात आवेदक अभियुक्त की ओर से परिव्यय शुल्क मो0 एक हजार रू0, नजारत रसीद सं0 469, दि0 22.12.21 के द्वारा दाखिल करते हुए एक आवेदन दाखिल कर निवेदन किया गया है, कि उसे पूर्व में दाखिल बंद्य–पत्र पर रहने की अनुमति देने की कृपा की जाए। विद्वान अधिवक्ता को सुना एवं अभिलेख का अवलोकन किया। आवेदक का आवेदन स्वीकृत किया जाता है।

वि0न्या0उत्पाद